



## रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र

क्रमांक 168/अनवर १९९२-९३

यह प्रमाणित किया जाता है कि पोद्दार पब्लिस स्कूल  
शिक्षा संस्थान की लीजिना अनवर का  
राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९५८ (राजस्थान अधिनियम  
नं० २८, १९५८) के अन्तर्गत रजिस्ट्रीकरण आज किया गया ।

यह प्रमाण-पत्र मेरे हस्ताक्षरों और कार्यालय की सील से आज  
दिनांक १६ माह फरवरी सन् एक हजार नौ सौ तिरानवे को  
अनवर में दिया गया ।



  
रजिस्ट्रार संस्थान  
अनवर ।



कार्यालय रजिस्ट्रार संस्थाएं  
आठहर (राजस्थान)

क्रमांक का. संस्था रजि. 8883

श्री. 8-2-33

15/12/1983  
12/12/11 21:41:17

रजिस्टर्ड  
15/12/1983

अलवर जिला

विषय :- राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1958  
के अन्तर्गत संस्था रजिस्ट्रीकरण के बारे में।

आपकी संस्था का रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक... 1681/192-33  
दिनांक... 8-2-33... संलग्न है, जिसकी प्रामाणिकता की सुचना विज्ञापन का कष्ट करें। यहाँ आपका  
ध्यान उक्त अधिनियम की धारा 4 व 4 (क) की ओर आकर्षित किया जाता है। जिसके प्रावधानों  
के अन्तर्गत आपकी प्रतिबन्ध नाम तथा के 14 दिवस में निम्नलिखित सूचनाएं भेजना जरूरी है :-

- 1 संस्था के मामलों का प्रबंध किसको सौंपा गया है, उस परिवर्त, समिति या अन्य वाली निकाय के  
नामों, स्थानों, स्थितियों या सदस्यों के नाम, पते और पैसे की सूचना भेज दें।
  - 2 एक विवरण पत्र जिसमें उपरोक्त सदस्यों के नाम आदि उस वक्त, जिस वक्त की सूची है, के दौरान  
हुए समस्त परिवर्तनों को दिखाया गया हो।
  - 3 संस्था के नियमों और विनियमों की एक तालिका सही प्रतिलिपि जो वाली निकाय के कारकों,  
मजदूरों, स्टाफ या सदस्यों से कम तीन सदस्यों द्वारा सही प्रमाणित की गई हो।  
इसके अलावा संस्था के नियमों और विनियमों में किसे गये प्रत्येक परिवर्तन की प्रतिलिपि जो  
उपरोक्त शीत से सही प्रमाणित की गई हो, ऐसा परिवर्तन करने की तारीख से पन्द्रह दिन के अन्दर  
अदरक इस कार्यालय को पहुंचानी चाहिए।
- आपका ध्यान इस अधिनियम की धारा 4 (ब) की ओर आकर्षित किया जाता है जिसके अन्तर्गत  
उपरोक्त प्रावधानों का पालन करने में विफल रहने वाला अपराध के सिद्ध होने पर, ऐसे अर्थ दण्ड  
से दण्डनीय होगा, जो पांच से सत्रह तक का हो सकता है तथा लगातार भंग होने की दशा में और  
ऐसे अवयव से दण्डनीय होगा जो प्रत्येक दिन के लिये जिसमें कि ऐसे अपराध के लिये प्रथम अपराध  
सिद्ध के पश्चात् पूरा जारी रहती है, पचास रुपये से अधिक नहीं होगा। यदि कोई व्यक्ति धारा  
4 के अर्धीन प्रस्तुत की गई सूची में या धारा 4 (क) के अर्धीन रजिस्ट्रार को भेजे गये विवरण पत्र  
या नियमों और विनियमों की या उनसे किसे गये परिवर्तनों की प्रतिलिपि में जानबूझकर कोई मिथ्या  
प्रतिबन्ध या गौर करना या कथनात है तो वह अपराध सिद्ध होने पर ऐसे अर्थ दण्ड से दण्डनीय  
होगा जो दो हजार रु. तक का हो सकता है।
- नोट :- इस कार्यालय से यहलिय में किसी भी प्रकार का पत्र व्यवहार  
करते समय संस्था का रजिस्ट्रेशन नं. एवं वर्ष अंकित करें।

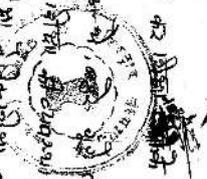
संलग्न :- सूत्र प्रमाण-पत्र

15/12/1983  
रजिस्ट्रार संस्थाएं  
अलवर (राजस्थान)

**संज्ञ विधान-पत्र**

1. संस्था का नाम : संज्ञ विधान-पत्र
2. प्रबन्धक का नाम : संज्ञ विधान-पत्र
3. संस्था का उद्देश्य : संज्ञ विधान-पत्र

1. उद्देश्य : संज्ञ विधान-पत्र
2. उद्देश्य : संज्ञ विधान-पत्र
3. उद्देश्य : संज्ञ विधान-पत्र
4. उद्देश्य : संज्ञ विधान-पत्र



संज्ञ विधान-पत्र

संज्ञ विधान-पत्र

संज्ञ विधान-पत्र



नाम प्रीतिका पाठिकाक स्कुल/संस्थान टीकासंग्रहित/सोसियल/संस्थान टीका

# विधान [नियमावली]

1 संस्था का नाम

: इस संस्था का नाम प्रीतिका पाठिकाक स्कुल/संस्थान  
टीकासंग्रहित/सोसियल/संस्थान है व हैसा

2 प्रसिद्धत कायलिय तथा कार्यक्षेत्र

: इस संस्था का प्रसिद्धत कायलिय टीकासंग्रहित/सोसियल/संस्थान की तरफ  
उपलब्ध/संस्थान है।

है तथा इसका कार्यक्षेत्र उपलब्ध/संस्थान

..... क्षेत्र तक सीमित होगा।

3 संस्था का उद्देश्य

: इस संस्था के निम्नलिखित उद्देश्य हैं -

1. प्रत्येक शिक्षा का उद्देश्य उच्चतर शिक्षा प्रदान करना है।
2. आधुनिक तकनीकी शिक्षा के अभाव में छात्रों को नुकसान होना न देना।
3. छात्रों को नैतिक शिक्षा देना।
4. छात्रों को नैतिक शिक्षा देकर उनके जीवन को सुचारु रूप से चलाना।
5. छात्रों को नैतिक शिक्षा देकर उनके जीवन को सुचारु रूप से चलाना।
6. छात्रों को नैतिक शिक्षा देकर उनके जीवन को सुचारु रूप से चलाना।
7. छात्रों को नैतिक शिक्षा देकर उनके जीवन को सुचारु रूप से चलाना।
8. छात्रों को नैतिक शिक्षा देकर उनके जीवन को सुचारु रूप से चलाना।
9. छात्रों को नैतिक शिक्षा देकर उनके जीवन को सुचारु रूप से चलाना।
10. छात्रों को नैतिक शिक्षा देकर उनके जीवन को सुचारु रूप से चलाना।

4 संस्था का

- निम्न संस्था रखने वाले व्यक्ति संस्था के सदस्य बन सकते हैं।
- 1 संस्था के कार्य क्षेत्र से निवासे रहने वाले।
  - 2 बालिका हों।
  - 3 धार्मिक, सामाजिक न हों।
  - 4 संस्था के उद्देश्यों में रूचि न ले सकें।
  - 5 संस्था के हित को सर्वोपरि समझने हों।

*(Handwritten signature and stamp)*

*(Handwritten signature and stamp)*

5 सदस्यों का बर्गीकरण

- संस्था के सदस्य निम्न प्रकार बर्गीकृत भी किये जा सकेंगे।
- 1 संरक्षक
  - 2 विनिवृत्त
  - 3 सम्माननीय
  - 4 साधारण

6 सदस्यों द्वारा प्रदत्त भुक्त व चन्दा

उपनिवृत्त संस्था 4 में श्रेणित सदस्यों द्वारा निम्न प्रकार भुक्त व चन्दा देय होगा।

1 संरक्षक— राशि	500/- रु.	वार्षिक/अर्धवार्षिक
2 विनिवृत्त— राशि	100/- रु.	वार्षिक/अर्धवार्षिक
3 सम्माननीय— राशि	50/- रु.	वार्षिक
4 साधारण— राशि	20/- रु.	वार्षिक

उक्त राशि एक भुक्त अथवा चन्दा के रूप में भुक्त की जायेगी।

7 सदस्यों के निष्कासन

संस्था के सदस्यों का निष्कासन निम्न प्रकार किया जा सकेगा।

- 1 मृत्यु होने पर
- 2 त्याग पत्र देने पर
- 3 संस्था के विरुद्ध काम करने पर।
- 4 प्रवृत्तकारियों द्वारा दायी पाये जाने पर।

उक्त प्रकार के निष्कासन की शर्तों 15 दिनों के अग्रद-अग्रदर निर्धारित में जाहिर करने पर साधारण सभा के निर्णय हेतु सब सम्झौत जहिसरी तथा साधारण सभा के बहुमत का निर्णय बलिप्त होगा।

8 साधारण सभा

संस्था के उपनिवृत्त संस्था 5 में वर्णित समस्त प्रकार के सदस्य मिलकर साधारण सभा का निर्माण करेंगे—

9 साधारण सभा के अधिकार और कर्तव्य

- साधारण सभा के निम्न अधिकार और कर्तव्य होंगे—
- 1 प्रवृत्तकारियों का चुनाव करना
  - 2 वार्षिक बजट पारित करना।
  - 3 प्रवृत्तकारियों द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा करना व सुधित करना।

Digitized by eGangotri  
श्री श्री (संस्था) प्रकाश

श्री श्री (संस्था) प्रकाश  
श्री श्री (संस्था) प्रकाश  
श्री श्री (संस्था) प्रकाश

4 संस्था के कुल सदस्यों के 2/3 बहुमत से विधान संशोधन परामर्श तथा परामर्श करना। ( संविधान के प्राथमिक से काईल करारा जाकर प्रमाणित प्रतिनिधि प्राप्त कर प्राप्त होगा।

10 शाखा तथा वेंडक

1 शाखा तथा वेंडक में एक वेंडक अनिवार्य होगी, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर अथवा/तभी धारा कभी भी सुलाई जा सकती।

2 शाखा तथा वेंडक का कोरम कुल सदस्यों का 1/3 होगा।

3 वेंडक की सूचना 7 दिवस पूर्व व अत्यावश्यक वेंडक की सूचना 3 दिन पूर्व दी जायेगी।

4 कोरम के अभाव में वेंडक स्थापित की जा सकती जो पुनः सात दिन पर्याप्त निर्धारित स्थान व समय पर आवृत्त की जा सकती। ऐसी स्थापित वेंडक में कोरम की कोई आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन विवाचीय विषय नहीं होंगे, जो संस्था के अंतर्गत होंगे।

5 संस्था के 1/3 सदस्य हमसे से जो भी कम हो के लिखित आवेदन करने पर मन्त्री/अध्यक्ष द्वारा एक माह के अन्दर-अन्दर वेंडक आयुक्त करना अनिवार्य होगा। निर्धारित अवधि से अथवा/तभी द्वारा वेंडक न सुलाये जाने पर उक्त 15 सदस्यों में से कोई भी 3 सदस्य नोटिस जारी कर सकते तथा इस प्रकार की वेंडक में होने वाले सदस्य निर्णय वैधानिक एवं सर्व मान्य होंगे।

11 कार्यकारिणी का गठन

संस्था के कार्य को सुचारु रूप से चलाने के लिये एक व्यवस्थापक कारिणी का गठन किया जायेगा, जिसके प्राधिकारी व सदस्य निम्न प्रकार होंगे।

- 1 अध्यक्ष एक
- 2 उपाध्यक्ष एक
- 3 मन्त्री एक
- 4 उप मन्त्री एक

संस्था के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने के लिये एक संस्थापक कारिणी का गठन किया जायेगा, जिसके प्राधिकारी व सदस्य निम्न प्रकार होंगे।

संस्था के कार्य को सुचारु रूप से चलाने के लिये एक व्यवस्थापक कारिणी का गठन किया जायेगा, जिसके प्राधिकारी व सदस्य निम्न प्रकार होंगे।

5 शोधप्रबंध एक  
6 सदस्य सार

( उक्त पत्रों के अतिरिक्त अन्य पर पत्र नाम परिवर्तन किए जाने की यहाँ अंकित करें कम रखना चाहिए तो कम रखें ।

वह इस प्रत्यक्षकारिणी में ..... सदस्य कुल 12 प्रतिनिधकारी व ..... सदस्य कुल ..... सदस्य होंगे ।

12 कार्यकारिणी का निर्वाचन

- 1 संस्था की प्रत्यक्षकारिणी का चुनाव 2 वर्ष की अवधि के लिये साधारण सभा द्वारा किया जावेगा ।
- 2 चुनाव प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष प्रणाली द्वारा किया जावेगा ।
- 3 चुनाव अधिकारी की नियुक्ति प्रत्यक्षकारिणी द्वारा की जावेगी ।

13 कार्यकारिणी के अधिकार और कर्तव्य

संस्था की कार्यकारिणी के निम्नलिखित अधिकार व कर्तव्य होंगे ।

- 1 सदस्य बनाना/निर्वाचित ।
- 2 वार्षिक बजट तैयार करना ।
- 3 संस्था की संपत्ति को सुरक्षा करना ।
- 4 वेतन/कर्मचारी की नियुक्ति करना तथा उनके वेतन, भत्तों का निर्धारण करना ।
- 5 संस्था की संपत्ति का रिकार्ड निर्धारण की जिम्मेवारी करना ।
- 6 कार्य को संचालित करना ।
- 7 अन्य कार्य जो संस्था के हितार्थ हों, करना ।

14 कार्यकारिणी की बैठकें

- 1 कार्यकारिणी की वर्ष में कम से कम 5 बैठकें अतिवाहक होंगी । लेकिन आवश्यकता होने पर बैठक आवश्यक/पत्रों द्वारा कभी भी बुलाई जा सकेगी ।
- 2 बैठक का कोरम प्रत्यक्षकारिणी की कुल संस्था के चाहे से अतिवत् होगा ।

Handwritten signature and stamp at the top left.

Handwritten signature and stamp at the bottom left.



( 6 )

- 6 पर व्यवहार करना ।
- 7 सन्धि की सुरक्षा हेतु अन्य कार्य को आरम्भ करें ।

**उपसंहारी-**

- 1 मन्त्री की अनुपस्थिति में मन्त्री पर के सारल कार्य संचालन करना ।
- 2 अन्य कार्य को प्रशासकीय/मन्त्री द्वारा हीरे करें ।

**टीपिण्डक-**

- 1 शक्ति शिवा शीला विचार करना ।
- 2 दैनिक वेला पर नियन्त्रण रखना ।
- 3 चर/शुक्र/शुक्रान भादि प्राप्त कर रसीद देना ।
- 4 अन्य प्रदल कार्य समान करना

संस्था का कार्य निम्नप्रकार संचित होगा-

- 1 मन्त्री
- 2 मुक्त
- 3 अनुदान
- 4 सहायता
- 5 वाचकीय अनुदान

- 1 उक्त प्रकार से संचित राशि किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में सुरक्षित की जायेगी ।
- 2 चर/शुक्र/शुक्रान/का/भयस से से किसी भी प्रदाति-कारियों के सशुक्त दस्तावेजों से बैंक से धन देन संभव होगा ।

**17 कोण सारणी विभाजिकार**

- 1 संस्था के हित में तथा कार्य व समय की आरम्भक-ताजुसार निम्न प्रदातिकारी संस्था की शक्ति एक मुक्त स्वीकृत कर सकेंगे ।
  - 1 सारणी ..... *शुक्रान/का/भयस* ..... कार्य
  - 2 मन्त्री ..... *शुक्रान/का/भयस* ..... कार्य
  - 3 कोषाध्यक्ष ..... *शुक्रान/का/भयस* ..... कार्य
- उपरोक्त सन्धि का अनुसूचन प्रशासकीयों से कथाया बनना आरम्भक होगा ।

Muz...  
बन्धु...  
12.12.2019  
कोण (संस्था) सारणी

मन्त्री...  
कोषाध्यक्ष...  
कोण (संस्था) सारणी

18 संस्था का अंकेक्षण

संस्था के समस्त लेखे ज़ोखों का वार्षिक अंकेक्षण कराया जावेगा ।

19 संस्था के विधान में परिवर्तन

संस्था के विधान में आवश्यकतानुसार साधारण सभा के कुल सदस्यों के 2/3 बहुमत से परिवर्तन, परिशुद्धन अथवा संशोधन किया जा सकेगा जो राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1958 की धारा 12 के अनुरूप होगा ।

20 संस्था का विघटन

यदि संस्था का विघटन आवश्यक हुआ तो संस्था की समस्त अचल सम्पत्ति समान उद्देश्य वाली संस्था को स्थानान्तरित कर दी जावेगी लेकिन उक्त समस्त कार्यवाही राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1958 की धारा 13 व 14 के अनुरूप होगी ।

21 संस्था के लेखे ज़ोखे का निरीक्षण

रजिस्ट्रार संस्थाएं ~~का~~ को संस्था के निरीक्षण का पूर्ण अधिकार होगा व उनके द्वारा दिए गये सुझावों की पूर्ति की जावेगी ।

प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विधान (नियमावली)

पोद्दार पब्लिक स्कूल शिक्षण

~~संस्था की~~

संयोजित/संयोजित/संयोजित की सही व सच्ची प्रतिलिपि है ।

संस्था का नाम  
संस्था का पता  
संस्था का क्षेत्र  
संस्था के ज़ोखों की संख्या  
संस्था का पंजीकृत  
संस्था का रजिस्ट्रार

रजिस्ट्रार  
उप-रजिस्ट्रार  
असिस्टेंट रजिस्ट्रार

संस्था का नाम  
संस्था का पता  
संस्था का क्षेत्र

संस्था का नाम  
संस्था का पता  
संस्था का क्षेत्र  
संस्था के ज़ोखों की संख्या  
संस्था का पंजीकृत  
संस्था का रजिस्ट्रार

168/संस्था/92-93

पोद्दार पब्लिक स्कूल शिक्षण संस्था  
विधान नियमावली  
संस्था  
9-2-93  
ए.ए.

प्रमाणित किया जाता है कि यह सत्यप्रमाण  
दस्तावेज पढ़ने वाला  
दस्तावेज सुनने वाला  
यकन हेतु प्रार्थना पत्र देने की तिथि 18-2-93  
यकन देवार करने की तिथि 1-3-93  
ये तीनों की तिथि  
1-3-93

संस्था का नाम  
संस्था का पता  
संस्था का क्षेत्र